

St. Aloysius ' College (Autonomous), Jabalpur (M.P.) , [JIRF] Jabalpur Interreligious Forum
Observed Communal Harmony Campaign Week under National Foundation for Communal
Harmony (An Autonomous Organization under Ministry of Home Affairs , Govt . of India)

To mark the Communal Harmony Campaign Week from 19th to 25th of November 2022 and to
foster communal harmony among students, St. Aloysius College (Autonomous), Jabalpur
Interreligious Forum [JIRF] conducted a Painting Competition on the Theme " National
Integration & Communal Harmony " and an Essay Competition on the Topic - "Communal
harmony and National Integration in India" "भारत में सांप्रदायिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता"

UG & PG students participated in the painting competition and essay writing competition on the
above theme & topic on 25.11.2022. A consolidated report with photographs is given below:

St. Aloysius ' College (Autonomous), Jabalpur (M.P.)

Jabalpur Interreligious Forum (JIRF]

Observed Communal Harmony Campaign Week

National Foundation for Communal Harmony (An Autonomous Organization under Ministry of
Home Affairs, Govt. of India)

Result Sheet

Painting Competition

Theme -: " National Integration & Communal Harmony "

S.No.	Name of the Students	Class	Position
1	Priya	BBA II Year	I
2	Aditi Vaidya	B. Com III Year	II
3	Fazila Naaz Ansari	B.A I year	III
4	Kritika Pillai	B.A II Year	Consolation

Essay Competition

Topic :- “भारत में सांप्रदायिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता”

S.No.	Name of the Students	Class	Position
1	Satyam Mahloniya	M.A I Sem	I
2	Sarla Yadav	B.Sc II Year	II
3	Sudhir Singh Bagri	B.A III Year	III
4	Kamal K Mishra	B.A III Year	III

Essay Competition

Topic - “Communal Harmony and National Integration in India”

S.No.	Name of the Students	Class	Position
1	Surabhi Saha	B.Sc II Year	I
2	Sneha Patel	B. Com I Year	II
3	Rabpreet Kaur	B.Sc III Year	III
4	S.Sashikala	B.A III Year	III

JIRF In-charges

Dr. Runa Paul

Dr. Preeti Jain

Dr. Megha Tiwari

Glimpses of the Competition





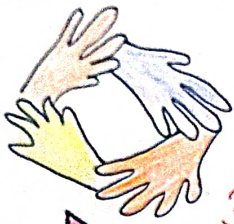


**GLIMPSES OF PAINTING & ESSAY
COMPETITION**

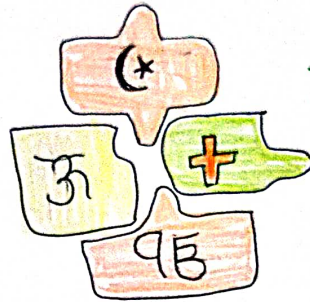


"National Integration & Communal Harmony.."

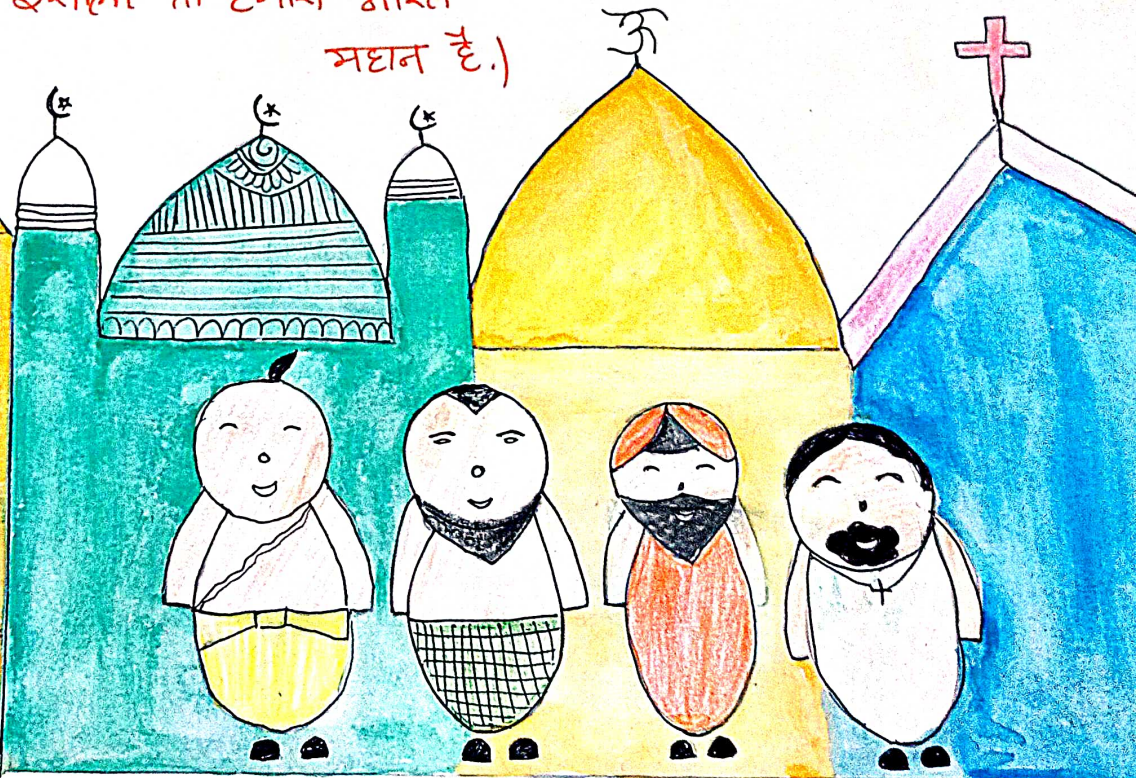
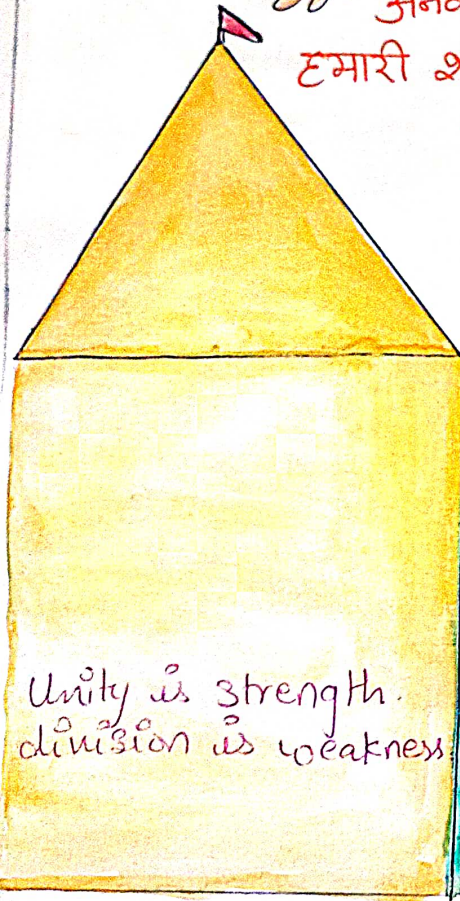
2



अनेकता में एकता ही,
हमारी शान है,
इसलिए तो हमारा भारत
महान है।)



There is beauty and
Power in unity. We must
be united in heart &
mind. One world one
people.



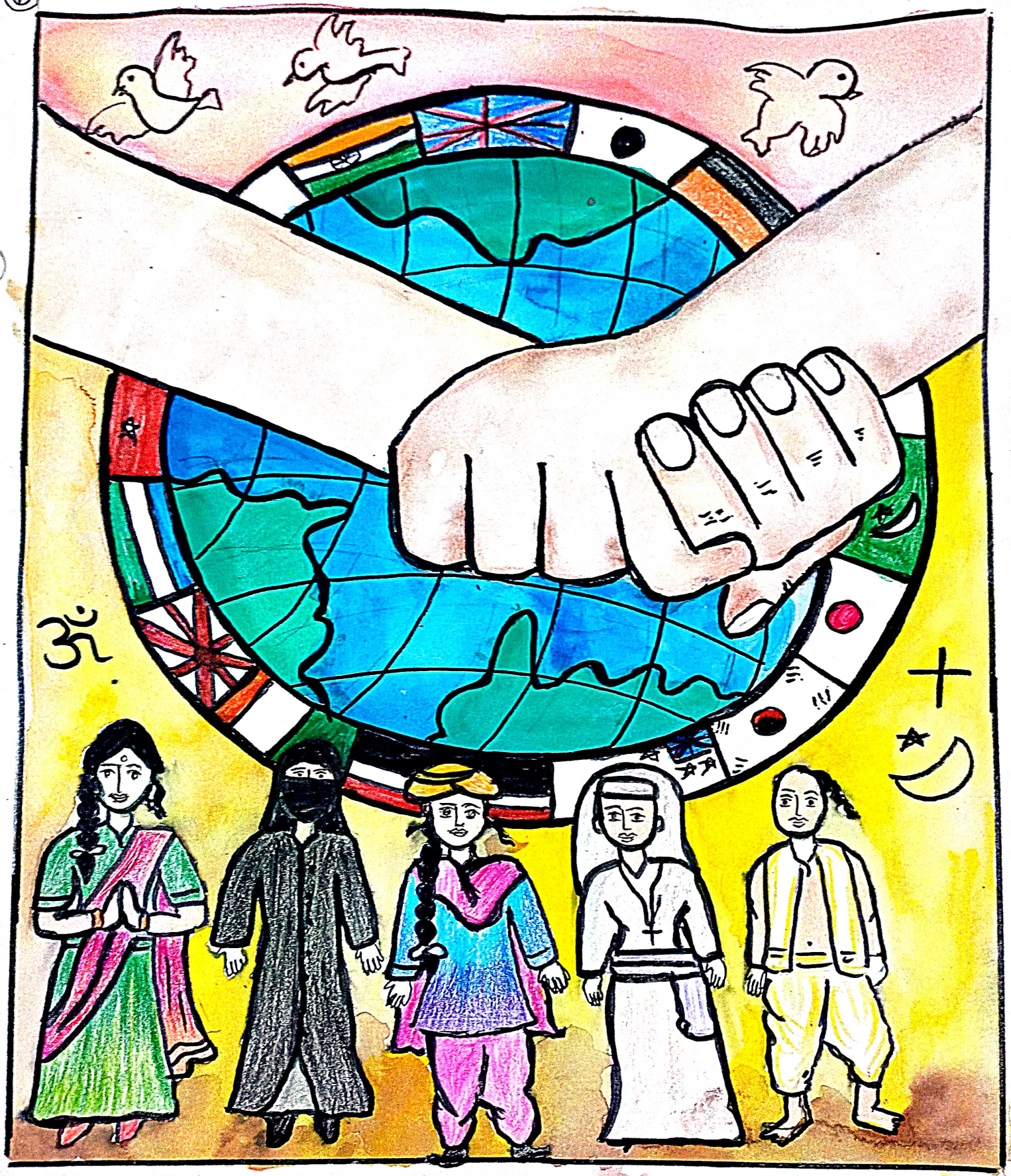




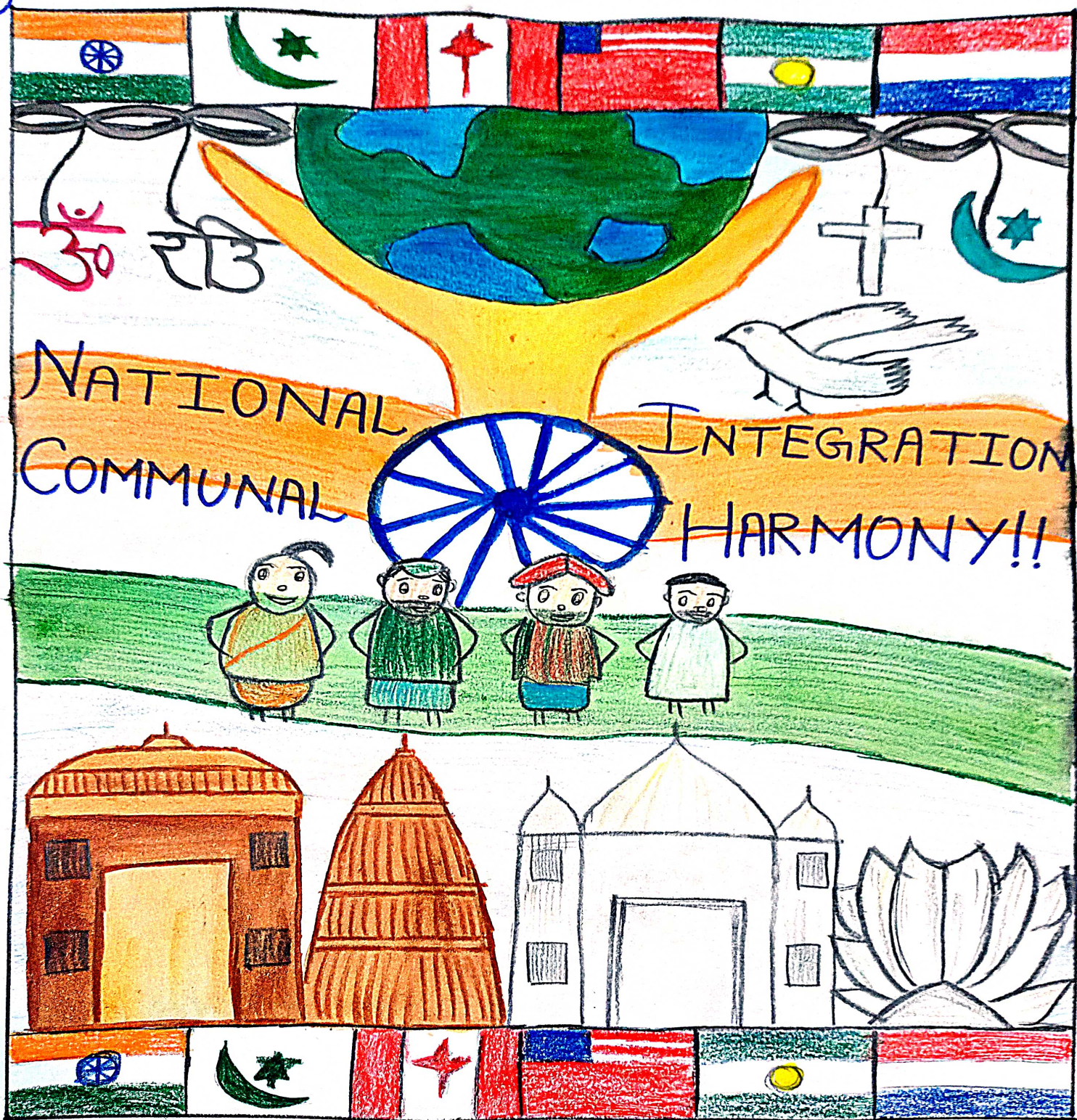
WORLD PEACE

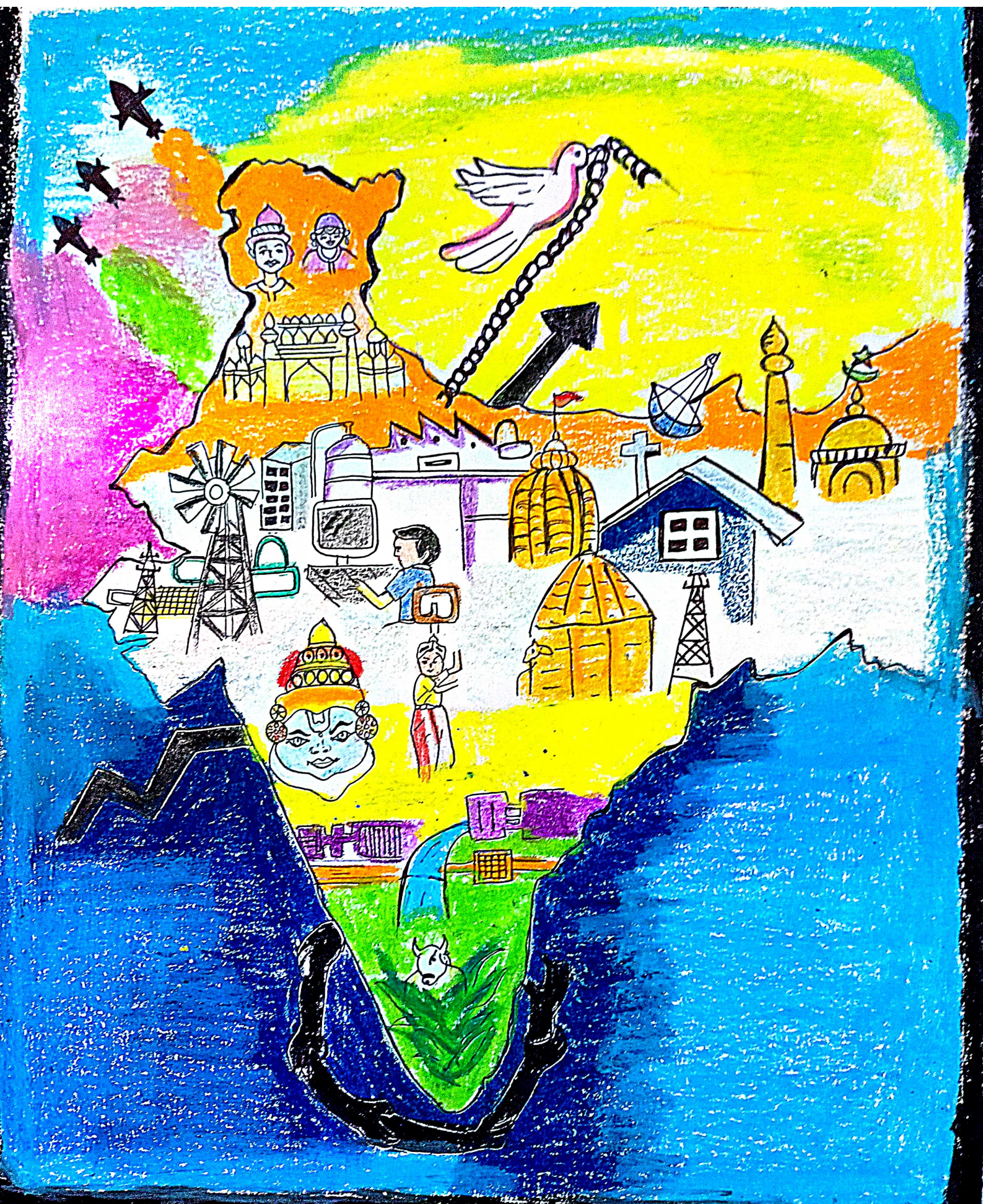
National Integration & Communal Harmony



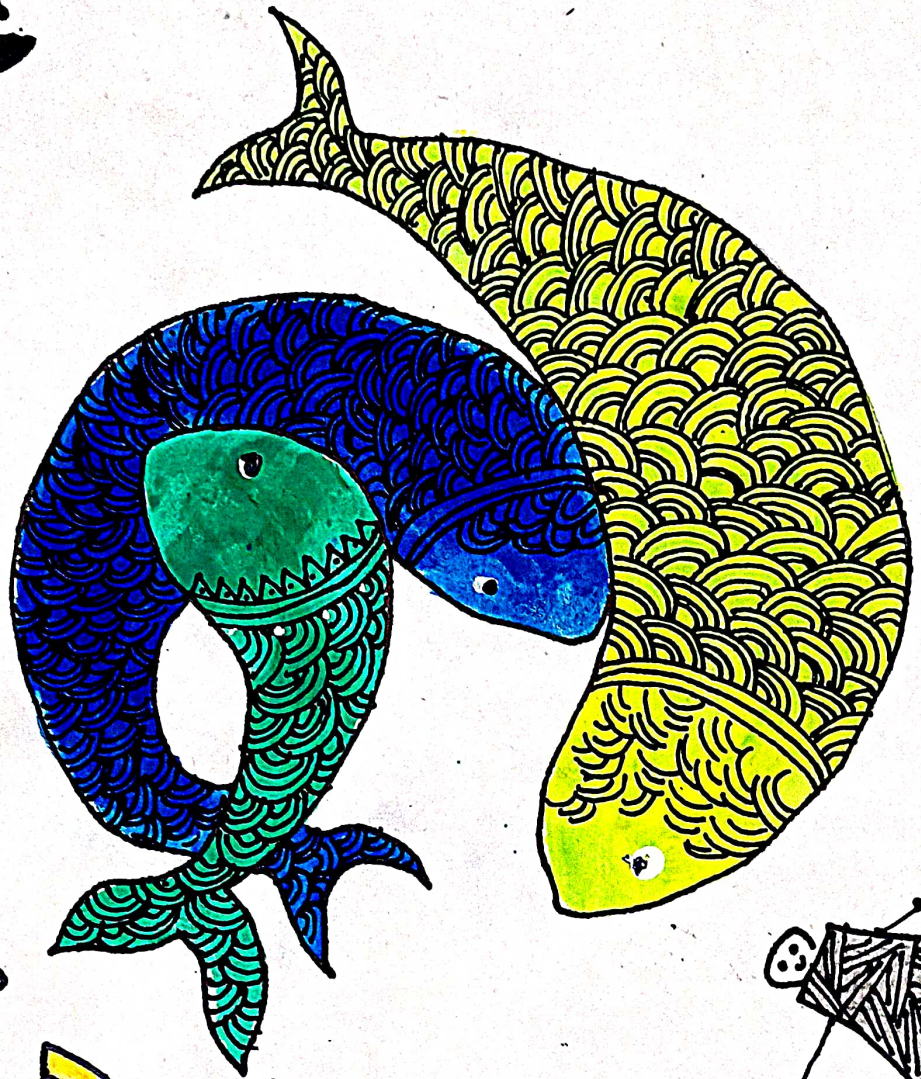


7





9 National Integration & Communal Harmony



Name - Sarita Yadav

Page No.

①

Class - B.Sc. IIIrd Year (BTZ) Date - 25/11/22

भारत में राष्ट्रीय एकता व सहभावना

"अनेकता में एकता हमारी पहचान है,
इसलिए भारत महान है"।

आज वर्तमान में सभी देशों की एकता की बात की जाए तो भारत सभी में सर्वश्रेष्ठ है। भारत में साम्प्रदायिक सहभाव व एकता की भावना लोगों में देखने मिलता है। साम्प्रदायिक सहभाव व एकता का अर्थ है - विभिन्न धर्म व जाति के होने के बावजूद लोगों में प्रेम व एकता की भावना का होना। आज वर्तमान में समाज में साम्प्रदायिकता के विरुद्ध कई रुढ़ता व बाधाएँ जैसे जातिवाद, सामाजिक कुर्रियाँ आदि समाज में फैली हैं।

★ राष्ट्रीय एकता व सहभावना का उद्देश्य :-

स्वतंत्रता के पश्चात् राज्यों के विभाजन के पश्चात् जब लोगों में एकता कम होने लगी उस समय सरकार वल्लभ भाई पटेलजी ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। 31 अक्टूबर 1947 को जन्मे सरकार वल्लभ भाई पटेल जी के जन्म अवसर पर एकता दिवस माना जाता है। उन्हें "लोह पुरुष" के नाम से भी जाना जाता है।

31 अक्टूबर 2014 को प्रधानमंत्री दामोदर दास नरेन्द्र मोदी ने इसे प्रतिवर्ष एकता

रूपरेखा ३ (i) प्रस्तावना (ii) भारत में विभिन्न धर्म,
(iii) सांप्रदायिक सहभाव का महत्व, (iv) राष्ट्र
के निर्माण में राष्ट्रीय एकता की भूमिका (v)
निष्कर्ष ।

(i) प्रस्तावना ३ आदिवाला से ही मनुष्यों के प्रतिक
विकास के साथ विविधता की
भूमिका भी अति महत्वपूर्ण है। वर्तमान में
पूरे विश्व में भारत ही एक मात्र ऐसा देश है
जहाँ पर इतनी विविधताओं के बाद भी
इतनी सारी जातियाँ एवं इतने सारे धर्मों
के लोगों का जीवन एकसाथ व्यतीत होता है।
भारत देश सांप्रदायिक सहभाव की दृष्टि से
अन्य देशों के लिए एक आदर्श राष्ट्र है
जिसमें इतने सारे धर्म, रंग, जातियाँ आदि
के लोग एकसाथ रहते हैं।

(ii) भारत में विभिन्न धर्म ३ यदि धर्म की दृष्टिकोण
की दृष्टि से देखा
जाए तो वर्तमान में सबसे अधिक धर्मों की
संख्या भारत देश में है। इतने सारे
धर्मों के एक साथ संभव होने का मुख्य
कारण भारत का संविधान है जो कि सभी
धर्मों की समान रूप से रक्षा करता है।
भारत के संविधान में स्पष्ट रूप से
कहा गया है कि भारत एक धर्म निरपेक्ष
राज्य है परंतु यह निरपेक्ष होने के साथ
समस्त धर्मों की रक्षा भी करेगा एवं

भारत एक बहुत बड़े भौगोलिक विस्तार वाला देश है जिस के अंदर में हिमालय पर्वत श्रृंखला का काम करते हैं, दक्षिण में हिंद महासागर पश्चिम में रेगिस्तान, और पूर्व में घने जंगल जिस प्रकार भारत देश की सोझा बढाने का और सुरक्षा प्रदान करने का काम करते हैं उसी प्रकार, भारत देश को अणुशक्ति रूप से सुरक्षा प्रदान करने का काम विभिन्न धर्मों से मिलती है, जिस प्रकार एक बागी में यदि पास हो तो वहाँ लोगो की कम कीमत इकट्ठी होगी और उस जमीन का प्रयोग घर बनाने, खेती आदि के लिए किया जा सकता है लेकिन यदि उस जमीन में सुन्दर फूल भी खिल जाय तो वह जमीन सुरक्षित रहती है, जगह-जगह से लोग देखने आते हैं, यही खुशसूरति हमारे भारत देश की भी है, सारे जगह से अच्छा हिंसिता हमारा हमारे जीवन की शुरुवात बच्चे के रूप में अदृश्यता से होती है वह डॉक्टर बिना धर्म पूछे अपना काम करते हैं, उसके बाद जब हम स्कूल पहुँचते हैं वहाँ हमारी मुलाकात कई लोगो से होती है जो कि कई धर्म से संबन्ध रखते हैं उस के बावजूद सब एक साथ मिलकर पढ़ाई करते हैं और यही जीवन बहुत अनंदित करता है, और यही से हमें साथ मिलकर आगे बढ़ना सिखाया जाता है, इसी जगह से हमें बिना किसी भेदभाव के, साथ मिलकर कैसे हमारे देश का भविष्य उन्नत प्रकाशित किया जाय यह सिखाया जाता है, और जब हम भारत देश में एक साथ मिलकर हर धर्म अपना आधार बनाते हैं यह चीज बताती है की सारे जगह से अच्छा भारत हमारा। सारे लोग चाहे दुख ही या सुख, किसी के जिन्दगी में कितने भी कष्ट हो सब साथ मिलकर हर दुख को बाँटते हैं, यदि समय चाहे कुछ का हो जैसे पुलवामा, आज़ादन सब पारिस्थितिकी से स्व। चाहे वे किसी भी राज्य, स्वयं से संबन्ध रखते हैं इस इस्ति में एक साथ मिलकर भारत अपनी शक्ति को इतनी कठिन इस्ति में भी मजबूती से खड़ा रहता है यह चीज देख कर सारे अन्ध देश यह चीज सह नही पाते और भारत की अखंडता में चोट करते रहते हैं, भारत देश में हर जगह

Name :- Kamal Krishan Mishra

Class :- B.A. IIIrd Year

Mobile No :- 9301008253

"भारत में सांप्रदायिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता"

भारत, हमारा प्यारा देश भारत इसकी अनैकता में एकता का गुण पूरे विश्व में विख्यात है। संपूर्ण जगत हमारे देश की संस्कृति की सराहना करता है।

"वसुधैव कुटुम्बकम्" कहे जाने वाले भारत चारों दिशाओं, चारों धर्म के लोग पाये जाते हैं और एकुशी के साथ जीवन-यापन कर रहे हैं। "अनैकता में एकता" को संपूर्ण रूप से साकार करने वाला भारत देश सभी जनजातिय समूह को साथ लेकर उन अचाइयों को हासिल किया जो कई राष्ट्र स्वप्न में भी सोच नहीं सकते।

"सारे जहाँ से अच्छा हिंदुस्तान हमारा" वर्तमान समय में ये पंक्तियाँ कुछ छुंधली छुंधली सी लगती हैं। लोगों में जाति-धर्म, वर्ण-समूह, रंग-वस्त्रो को लेकर समाचारों में खबर मिल ही जा रही। पूरव, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण - हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई हम-चारों हैं भाई-भाई। परंतु आज इन रिश्तों में दरार आ चुकी है। जहाँ एक और जम्मू-काश्मिर के लोग काश्मीर को भारत राष्ट्र से अलग करना चाहते हैं, वहीं

Name:- Sneha Patel, Class:- B.com 1st year

(14)

"National Integration and Communal Harmony"

India is popularly known as Versatile Country which has many religions, Culture and People having different mindset. Although, The people of India are united by their heart. They have a lot of diversity in culture, tradition but tied by a knot of humanity and harmony. The Citizen of country ^{shows} respect for the religion of each other. As the constitution of India says that the state or nation does not have any specific religion. All religions are equally important in the eye of law. India has unity in diversity famous for rich heritage. Citizen of India cannot be divided by difference in their culture. People of India love to accept the differences and be united, like Indians have differences in races, Castes and mindset its simple and obvious to that there can be conflict among them. However, the respect of for the religion of each other make to unite them. All festivals festivals are celebrated by each one. As it is believed that the religions does not relate to any particular.

Tatin Vilkey MA Polity 9669973729

Communal Harmony & National Integration in India.

If some people don't cooperate then whole ship goes to bottom, but with the cooperation of all on board ship comes to port.
— Sardar Patel

India is a great nation of peace and harmony where billions of people reside with different religion, caste, language, region, color etc. whose its constitution give freedom to the people to practice any religion.

This nation is the result of the great sacrifices given by the people to it make one free nation where people with different ideology can breathe together. One of the best example can be said is Sardar Patel who united the India, even after facing so much difficulty in this task.

Communal Harmony & National Integration

Communal Harmony and National Integration are the base foundations of any nation. A country like India where people of different caste, religions, languages reside together, harmony and integration acts as a bridge between them and this justifies "Unity in Diversity". Several instances in our daily lives are observed in which people of different cultures and religions live together as one. This makes India resilient and united in true senses.

Brotherhood, compassion, respect and peace amongst us makes our bonds stronger and hence strengthens India as one nation. When a country is internally strong with bonds of harmony, as it is with a developing country like ours, it becomes difficult for any foreign force to defeat it.

What harmony and integration actually mean? The sense of oneness and togetherness in people that may be belonging to different regions, caste or creeds. These are the strings of strength that binds us all in a bond which is the most important component of humanity.

National integration and harmony are incorporated in all of us even right from our childhood. Having the emotions of empathy, compassion, love

12

Name - Mangleshwar Singh
Bsc. III yr (BTZ)

Page No. _____
Date _____

Communal Harmony & National Integration in India

"India has always been the land of cultures, cast, religions over the years from the sages & seers."

The Constitution of India in (Article 15-16) gives us the freedom to follow any religion we want to and even it gives us the freedom to convert our religion if we want to. Not only this, the Constitution also gives us the assurity if anyone threatens us, ~~not to~~ or resist us to do the same, they are bound to bear the consequences under the Constitution.

India has always been the Country which has given equal right to each an every individual equal right irrespective of its cast, religion, colour and shows the utmost unity in diversity. 'Diversity' is the part of

Diversity

"Unity in Diversity' is the art of thinking independently together", which we have shown ~~over~~ from decades, because this is the only land where all the religions Hinduism, Jainism, Islam etc.

Name - Anjali Singh

Class - BA IInd Year

Add No. - 48933

Phn No. - 7067652686

“Communal Harmony and National Integration
in India”

“Communal Harmony and National Integration
makes the Country invincible”

~ Indira Gandhi

As we all know that India is a diverse country and witnessed the 'Unity in Diversity' from last previous years. Communal Harmony plays a vital role in maintaining the National Integrity of our country. Communal Harmony literally means to live together, no matter what caste, creed, religion or gender a person belongs to. It means that there should not be any violence on the basis of religion or caste. Communal riots or violence must be avoided and one should live in peace with unity.

As, we all can see or read in our constitution that One can choose their religion without any restrictions. Also the "Article 25 to 30" in our Constitution says that a person can propagate or perform any religion which he/she wants to there should not be any restrictions in choosing the religion of your own.

One should be generous towards the people of different Community then it will be called as a Communal harmony

NAME - VIDHI KAPOOR PHONE No. - 8305373944
CLASS - B.com 1st year (Business Economics)

COMMUNAL HARMONY AND NATIONAL INTEGRATION

What is the first thing that comes to your mind when one talks about religions? Is it our beautiful country India? Because that's what strikes me first.

National Integration is the bond that is shared between people coming from different backgrounds. A garden becomes beautiful when it has a large variety of flowers. In the same way a country becomes beautiful when it has different people living together.

Sardar Vallabhbhai Patel has played a vitally important role in bringing our nation together. According to him manpower is a strength only when it is united. So if we want to achieve greater heights we need to be united. India is a country where people belonging to different religions, caste, culture, speaking different languages live together with harmony. Outwithstanding all these differences, one thing that unites us all is that we are all Indians. We all believe in the idea that India is my country and all Indian people are my brother's and sister's. The preamble of our constitution states that India is a secular nation. The people have the freedom to follow any religion of their own choice.

8.

Sameer Jwivedi
B.A. IIIrd year

Roll No. 47955.

"Communal
Harmony and National Integration"

"National Integration
and Communal Harmony,"

National Integration is a process of
Socio-psychology in which people live with
unity, Communal Harmony (people strive for
good will of their as well as other community.)
Cohesion in the heart of people towards
his / her Nation.

When we talk about India,
great example of Communal Harmony as well
as National Integration at the same time
Britishers who ruled upon us around 200 years
wanted to divide us on the basis of
caste, religion, race so on. A number of
reason they found to divide us but ultimately
we the one who prefer Communal harmony
and Integrate our nation and form unity in
this diversity. "Mahatma Gandhi" said if any
society wanted to flourish they have to prefer
Communal harmony in place of Communal hegemony.
and every religion of this world give this
perspective of peace and tolerance. the main
aim of this is to prevent communal riots /
disturbance. When we talk about India without
Communal harmony National integration is not
possible, or vice versa condition also possible
in U.S.A. on different conditions.

"Dr. B.R. Ambedkar - said" the blend of
Communal Harmony and National Integration

Essay Writing Competition

"Communal Harmony and National Integration in India"

'United we rise, divided we fall.' This quote is not new to anyone's ears and eyes, but we do not realise the gravity and importance of it. Harmony and togetherness are essential values that should be present in each and every individual to ensure peace around the world. We see or hear several articles about fights, commotion and violence everyday and this is one of the obstructions to the road of progress for our country, India. We have four major religious communities, and many minority communities in our country who are so diverse and rich in culture that it can prove to be the biggest strength above other countries. We all may belong to different communities but we should keep in mind and our hearts that we are citizens of ONE nation, first and foremost. That is when we will be able to achieve National Integrity. The feeling of oneness is inculcated in students when they work together but adults often feel jealous or hatred towards each other which is the cause of never-ending arguments. To solve that, we should have the feeling of harmony and

"NATIONAL INTEGRATION AND COMMUNAL HARMONY" IN INDIA

(150 - 200 words)

There is hardly any country like our country which has so much diversity. Whether it is in terms of linguistic diversity, community, or by the way of living, customs and tremendous diversity. According to the NAKASA'S ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA, 2002 "there are 4635 different communities in India, which have their own characteristics, own customs and languages,

living together and coming together of all these communities have played a very important part in the National History. Understanding each other knowing each other had made the foundation of national unity. Like, when we speak Hindi, we don't even realize that the everyday-words of our 'Hindi' come from 'Urdu' and 'Arabic'.

'Jawaharlal Nehru in his book wrote' "The diversity of India is extraordinary" "There is a spirit of unity that binds all Indians, despite of social, religious and linguistic differences."

Despite of being a pluralistic country, we always had this spirit of unity. There were many situations of dispute and hatred towards each other but everyone tried to understand each other and made space for each other.

Name: S. SASHIKALA

Class: B. A. III year

COMMUNAL HARMONY AND NATIONAL INTEGRATION IN INDIA

"Tolerance is our strength and secularism is our soul."

National integrity means oneness and to live peacefully without any internal conflict. In a diverse country like India, where we have over four religions, 14 language and innumerable dialects, communal harmony is the need of the hour. The Britishers wanted to break our nation for which they chose to bring out a fire between two dominant religions/communities of India - Hindu and Muslim. But the freedom fighters took hold of the situation and understood their game plan. Before a small spark could take shape of a wild fire, our leaders handled the situation by preaching oneness and unity.